आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :322 पृष्ठ -4 दिनांक 25 नबम्बर 2024 दिन सोमवार

संभल की जामा मस्जिद में सर्वे को लेकर आक्रोशित हुई भीड़

सर्वेक्षण टीम पर पथराव..पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

संभल न्यूज उत्तर प्रदेश के संभल जिले की जामा मस्जिद को लेकर एक विवाद हाल ही में सामने आया है. हिंदू पक्ष ने अदालत में यह दावा किया था कि यह मस्जिद पहले एक हिंदू मंदिर, हरिहर मंदिर, हुआ करती थी. इसी दावे के आधार पर अदालत ने 19 नवंबर को इस मस्जिद के सर्वे का आदेश दिया था. इसके बाद उसी दिन, 19 नवंबर की रात को ही मस्जिद का सर्वे किया गया. अब, पांच दिन बाद, 24 नवंबर यानी आज फिर से एक सर्वे टीम जामा मस्जिद का सर्वे करने के लिए वहां पहुंची है. हालांकि अब खबर आ रही है कि यहां सर्वेक्षण दल के पहुंचने पर पथराव की घटना हुई है. तब स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया है.मस्जिद कमेटी ने इस सर्वे के लिए अपनी सहमति दे दी है

और कहा है कि दोनों पक्षों की मौजूदगी में ही सर्वे किया जाएगा. इस सर्वे में मस्जिद और आसपास के क्षेत्र का माप–जोख और अन्य जरूरी जानकारी एकत्रित की जाएगी. दोनों पक्षों के प्रति. निधियों को इस सर्वे में शामिल होने का मौका दिया जाएगा ताकि विवादित मुद्दों पर निष्पक्षता बनी रहे.संभल की जामा मस्जिद में सर्वे को लेकर आक्रोशित हुई भीड़ दरअसल यह मामला दोनों समुदायों के बीच तनाव का कारण बना हुआ है और इसलिए इस सर्वे को लेकर सभी की निगाहें उस पर टिकी हुई हैं. अदालत का आदेश और सर्वे की प्रक्रिया दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विवाद का हल निकालने में मददगार साबित हो सकता है. पुलिस बल की तैनाती भी इस बात को दर्शाती है कि प्रशासन इस मामले में पूरी सावधानी बरत रहा है, ताकि स्थिति और ज्यादा खराब न हो. वहीं अब इस मामले में खबर आ रही है कि संभल में शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने के लिए एक सर्वेक्षण दल के पहुंचने पर पथराव की घटना हुई है. वहीं इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया. वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा संभल के सिविल जज की अदालत में मस्जिद के मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका दायर करने के बाद, 19 नवंबर को स्थानीय पुलिस और मस्जिद की प्रबंधन समिति के सदस्यों की मौजूदगी में इसी तरह का सर्वेक्षण किया गया.

संभल में हुए पथराव पर समर्थकों से बोले तौकीर रजा

उत्तर प्रदेश स्थित संभल में जामा मस्जिद में सर्वे के विरोध में हुए बवाल पर मौलाना तौकीर रजा ने अपने समर्थकों से बात की है. संभल में हुए पथराव को लेकर सवाल पूछने पर समर्थकों से कहा कि अभी ही क्यों सारे मस्जिदों के सर्वे याद आ रहे हैं. ये सर्वे प्री चसंददमक था, मुसलमानों के साथ सही नहीं हो रहा. ये सब पोलिटिकल स्टंट है. प्लांटेड है. सिर्फ मस्जिदों के ही सर्वे हो रहे हैं. सर्वे होना है तो सबका हो.संभल की जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर रविवार को सर्वेक्षण का कार्य दूसरी बार शुरू हुआ लेकिन इस बीच अराजक तत्वों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और हल्का बल प्रयोग किया. एक स्थानीय अदालत के आदेश पर पिछले मंगलवार को जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया था जिसके बाद से संभल में पिछले कुछ दिनों से तनाव व्याप्त है.दरअसल स्थानीय अदालत में एक याचिका दाखिल करके दावा किया गया है कि उस स्थान पर हरिहर मंदिर था. स्थानीय प्रशासन के अनुसार विवादित स्थल पर अदालत के आदेश के तहत एक ''एडवोकेट कमिश्नर'' ने दूसरी बार सर्वेक्षण कार्य सुबह सात बजे के आसपास शुरू किया और इस दौरान मौके पर भीड़ जमा होने लगी.पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा, '' घटनास्थल के पास एकत्रित भीड़ में से कुछ उपद्रवी बाहर आए और उन्होंने पुलिस दल पर पथराव किया. पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे.''उन्होंने कहा कि पथराव करने वालों और उन्हें उकसाने वालों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेसिया ने कहा, '' कुछ उपद्रवियों ने पथराव किया लेकिन स्थिति अब शांतिपूर्ण है और सर्वेक्षण कार्य जारी है.''संभल में सर्वेक्षण स्थल के पास कथित तौर पर पुलिस पर पथराव करते युवाओं के वीडियो सार्वजनिक हुए हैं. उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता एवं मामले में याचिकाकर्ता विष्णु शंकर जैन ने बताया था कि दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) की अदालत ने जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के लिये 'एडवोकेट कमीशन' गठित करने के निर्देश दिये.उन्होंने बताया था कि अदालत ने कहा है कि वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी सर्वेक्षण कराकर कमीशन के माध्यम से अदालत में रिपोर्ट दाखिल की जाए.जैन ने पिछले मंगलवार को कहा था कि मस्जिद से संबंधित याचिका में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार, मस्जिद समिति और संभल के जिला मजिस्ट्रेट को पक्षकार बनाया गया है.विष्णु शंकर जैन और उनके पिता हरि शंकर जैन ने ज्ञानवापी मस्जिद–काशी विश्वनाथ मंदिर विवाद सहित पूजा स्थलों से संबंधित कई मामलों में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व किया है.हिंदू पक्ष के स्थानीय वकील गोपाल शर्मा ने शुक्रवार को श्पीटीआई–भाषाश को बताया कि अदालत में दाखिल उनकी याचिका में कहा गया है कि ''बाबरनामा और आइन–ए–अकबरी किताब में इस बात का उल्लेख है कि जिस जगह पर आज जामा मस्जिद है वहां कभी हरिहर मंदिर हुआ करता था.''उन्होंने यह भी दावा किया कि मंदिर को मुगल सम्राट बाबर ने 1529 में ध्वस्त कराया था.समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जिया उर रहमान बर्क ने इस घटनाक्रम पर आपत्ति जताई है.उन्होंने कहा, ''संभल की जामा मस्जिद ऐतिहासिक और बहुत पुरानी है. उच्चतम न्यायालय ने 1991 में एक आदेश में कहा था कि 1947 से जो भी धार्मिक स्थल जिस भी स्थिति में हैं, वे अपने स्थान पर बने रहेंगे.''इस मामले में अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी.

यूपी में मौसम दोबारा लेगा करवट, गिरेगा पारा

उत्तर प्रदेश में पछुआ हवा के असर से धुंध व कोहरा तो कम हुआ है, लेकिन धूप खिलने से दिन में तपिश बढ़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 27 नवंबर से यूपी में मौसम दोबारा करवट लेगा। इससे ठंड व कोहरे का असर बढ़ेगा।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में बन रहे कम दबाव के असर से 27 नवंबर से पारे में गिरावट आएगी और कोहरा होने के आसार हैं। दिन में धूप खिलने से अगले दो से तीन दिनों में दिन–रात के तापमान में दो डिग्री सेल्सियस का उछाल देखने को मिल सकता है। कहां कितना रहा तापमान रविवार के बाद पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों पर बर्फबारी भी हो सकती है। शनिवार को 30.2 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ उरई सर्वाधिक गर्म रहा। झांसी में अधिकतम तापमान 29.1 डिग्री और कानपुर में 28.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें तो मुजफ्फरनगर में 10.3 डिग्री, चुर्क में 10.4 डिग्री और अयोध्या में 10.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग, .कड़कड़डूमा कोर्ट कर्मी की हत्या

बागपत स्थित छपरौली के शेरपुर लुहारा गांव में कड़कड़डूमा कोर्ट के कर्मचारी धरमेश्वर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जबकि उनके भाई को भी गोली लगी है। बचाव में आए परिवार के सात लोग घायल हो गए। शामली के ग्रीन सिटी मैरिज होम में डीजे पर डांस करने को लेकर धरमेश्वर के परिवार का दूसरे पक्ष से विवाद हो गया था। इसके बाद जमकर मारपीट हुई थी। शामली पुलिस ने मौके पर बरातियों को समझाकर शांत करा दिया था। इस विवाद में रविवार रात डेढ़ बजे गाजियाबाद के सीकरी गांव के 20–25 लोग चार गाड़ियों में आए और धर्मेश्वर के घर पर हमला कर दिया। अंधाधुंध फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। गोली लगने से धर्मेश्वर की मौत हो गई, जबकि उसके बेटे अनमोल और अनुराग, धर्मेश्वर के बड़े भाई परमेश्वर के बेटे कार्तिक, अनुराग के फूफा अरुण का बेटा हर्ष, दादी बिरमती समेत सात लोग घायल हो गए।वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। सूचना पर पहुंची छपरौली पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस सनसनीखेज वारदात से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

गाजियाबाद में छेड़छाड़ का किया विरोध

12वीं के छात्र पर चाकू से हमला

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से छात्रों के बीच मारपीट का एक अलग ही मामला सामने आया है। कविनगर क्षेत्र में हापुड़ रोड स्थित एक स्कूल के 12वीं के छात्र पर सहपाठियों ने शुक्रवार शाम चाकू से वार दिया। हमले में नीरज गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें दिल्ली रेफर कर दिया गया। मामले में नीरज की बहन सुमन ने कविनगर थाने में फुरकान, अनस, शेरखान, शावेज और रिहान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि एक छात्रा से छेड़छाड़ करने का विरोध करने पर आरोपियों ने उनके भाई पर हमला किया था।छात्र पर चाकू से हमले के मामले में पुलिस ने शनिवार को चार आरोपी शावेज, अनस, शेरखान और रिहान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को दी शिकायत में बताया गया कि 21 नवंबर को स्कूल में कुछ लोग क्लास की एक छात्रा से छेड़छाड़ कर रहे थे। इस पर नीरज ने उसका विरोध किया। 22 नवंबर को स्कूल की छुट्टी के बाद फुरकान, अनस, शेरखान, शावेज और रिहान ने नीरज को पकड़ लिया और मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया और मौके से भाग गए।गंभीर रूप से घायल हुआ नीरज गंभीर रूप से घायल छात्र नीरज को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उन्हें दिल्ली के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में कैला भट्ठा के शावेज, गोविंदपुरम के अनस,

इस्लामनगर के शेरखान और रिहान को गिरफ्तार कर लिया है पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने जान से मारने की नीयत से नीरज पर हमला किया था, लेकिन वह बच गया। एसीपी का कहना है कि मामले में आगे की जांच की जा रही है। आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अदालत से आगे बढ़ी एक और भर्ती, UPSSSC ने जारी किया कट ऑफ

उत्तर प्रदेश में मुख्य सेविका के 2567 पदों पर भर्ती में लिखित परीक्षा के आधार पर 8337 अभ्यर्थी अभिलेख परीक्षण के लिए शॉर्ट लिस्ट किए गए हैं। अभ्यर्थियों का परिणाम व कटऑफ अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने अपनी वे. बसाइट पर अपलोड कर दिया है। जल्द ही अभिलेख परीक्षण का विस्तृत कार्यक्रम भी जारी किया जाएगा।आयोग के सचिव अवनीश सक्सेना ने बताया कि बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत 2693 पदों पर भर्ती प्रक्रिया 2022 में शुरू की गई थी। साथ ही 2023 में इसकी लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इस बीच विभाग के कुछ कर्मचारी इसे लेकर न्यायालय चले गए थे। न्यायालय के निर्देश पर 2693 में से 126 पदों को खाली रखते हुए 2567 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी गई है। इसके तहत हाल ही में पदों का आरक्षण जारी किया गया था। इसी क्रम में शनिवार को अभिलेख परीक्षण के लिए अर्ह अभ्यर्थियों का कट ऑफ जारी किया गया है।

राम मंदिर की पहली वर्षगांठ पर दर्शन को लेकर इस बात में बना है संशय

यूपी के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक का आज दूसरा दिन है। राम मंदिर निर्माण में अब तक 800 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। निर्माण पूरा होने में लगभग 1800 करोड़ रुपये खर्च होंगे। राम मंदिर निर्माण में अभी भी मजदूरों की कमी है। मजदूरों की संख्या को दोगुनी करने के लिए निर्माण समिति ने एलएंडटी से अनुरोध किया है। 22 जनवरी 2025 को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर रामलला के अलावा अतिरिक्त मंदिरों के दर्शन पर अभी संशय बना हुआ है।राम मंदिर भवन निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि शिखर को छोड़कर इसी माह के अंत तक पत्थर लगाने का कार्य पूरा हो जाएगा। राम मंदिर के शिखर में 55000 क्यूबिक फीट पत्थर अभी और लगने हैं। 8,20,000 क्यूबिक फीट पत्थर परकोटा में लगेंगे। निर्माण कार्य में चुना. ैती आज भी मजदूरों की है। महापुरुषों के दर्शन पर संशय मजदूरों की संख्या जब तक दोगनी नहीं होगी, तब तक कार्य की गति धीमी रहेगी। इस समय लगभग 800 मजदूर निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। जब तक 1500 के आसपास मजदूर कार्य नहीं करेंगे तब तक निर्माण में पीछे रहेंगे। 2025 को भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर रामलला के अलावा किसी और महापुरुषों के दर्शन पर संशय है।

बीजेपी नेता संजीव शर्मा के MLA बनने पर उड़ाई कानून की धज्जियां

गाजियाबाद विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के उम्मीदवार संजीव शर्मा ने सपा के सिंहराज जाटव को 69,351 वोटों से हराकर शानदार जीत हासिल की है. संजीव शर्मा को कुल 96,946 वोट मिले, जबकि सपा प्रत्याशी को 27,595 वोट मिले. बसपा के उम्मीदवार को तीसरे स्थान पर रहते हुए 10,736 वोट मिले. मतगणना के 26 राउंड तक, संजीव शर्मा ने लगातार अपनी बढ़त बनाए रखी.जीत की खुशी में

बीजेपी के संजीव शर्मा का स्वागत करने के लिए पटाखे जलाए गए हैं. इसी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. यह वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, रोक सको तो रोक लो, भाजपा की जीत की खुशी में धुआं हुआ –4, नंदग्राम के कृष्ण कुंज का है वीडियो, जहां नव निर्वाचित विधायक संजीव शर्मा को धुआंधार स्वागत हुआ. वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग लाइन से पटाखे फोड़ रहे होते हैं. इसके साथ कई लोग नाचते हुए भी दिखाई दे रहे हैं. पटाखे जलाने की वजह से आ. सपास धुंआ भी छा जाता है. गाजियाबाद में वायु प्रदूषण जानकारी के लिए बता दें, गाजियाबाद में खतरनाक वायु प्रदूषण के कारण सरकार ने –4 लागू किया है. इसके साथ बच्चों के सेहत का ख्याल रखते हुए सरकार ने स्कूल बंद कर दिए हैं. इसके साथ कई और बड़े कदम उठाए हैं.

दूल्हा-दुल्हन की कार में ट्रक ने मारी टक्कर, दोनों घायल

डिडौली (अमरोहा)। शादी से लौटते समय तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने दूल्हे की कार में टक्कर मार दी। हादसे में दूल्हा और दुल्हन दोनों घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन दोनों को घर ले गए। आरोपी ट्रक के चालक को कार सवारों ने पकड़ लिया। देर रात तक मामले में तहरीर नहीं दी गई है।रजबपुर थाना क्षेत्र के जलालपुर कलां निवासी राजवीर सिंह की शुक्रवार को संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के रामनगर में बरात गई थी। शादी की रस्म–अदायगी पूरी कर शनिवार सुबह दुल्हन पिंकी को लेकर बरात वापस लौट रही थी। दूल्हे की कार डिडौली क्षेत्र में हाईवे स्थित एक पेट्रोल पंप के पास पहुंची, तो मुरादाबाद नंबर के ट्रक चालक ने टक्कर मार दी। ट्रक से भिड़ंत होते ही कार अनियंत्रित हो गई। हादसे में दूल्हा और दुल्हन जख्मी हो गए। पीछे से आ रही बरात की दूसरी कार सवार लोगों ने टक्कर मारकर भाग रहे ट्रक चालक को पकड़ लिया। सूचना मिलने ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामूली रूप से जख्मी दूल्हा–दुल्हन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उन्हें घर ले गए। सीओ सिटी अरुण कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सैदनगली पुलिस पर बेटे को तेजाब पिलाने का आरोप लगा एसपी कार्यालय पर धरने पर बैठा परिवार

अमरोहा। संभल जिले के ऐचोंड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के गांव पनसुखा मिलक निवासी जसपाल शनिवार को परिवार के साथ अमरोहा में एसपी कार्यालय पर पहुंचकर धरने पर बैठ गया। पीड़ित का आरोप है कि सैदनगली पुलिस ने उसके बेटे धर्मेंद्र को जबरन तेजाब पिला दिया। जिससे बेटे की हालत गंभीर है। डॉक्टरों ने इलाज करने से इन्कार कर दिया है। पीड़ित ने दोषी पुलिसकर्मियों पर कार. ंवाई न होने तक धरने की चेतावनी है।पनसुखा मिलक निवासी जसपाल सिंह ने बताया कि 14 अक्तूबर की रात करीब नौ बजे उसका बेटा धर्मेंद्र सिंह सैदनगली से घर वापस आ रहा था। इसी दौरान सैदनगली थाने के गेट पर छात्रों के गुट में मारपीट होते देख रुक गया और बीच–बचाव करने लगा। इस बीच थाने से दो सिपाही आए तो छात्र भाग गए। आरोप है कि दोनों पुलिसकर्मी झगड़ा करने का आरोप लगाकर धर्मेंद्र सिंह को थाने ले आए और एक दरोगा के साथ मिलकर दोनों सिपाहियों ने उसकी डंडे से पिटाई की। जिससे धर्मेंद्र बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। होश आने पर धर्मेंद्र ने पानी मांगा तो एक सिपाही ने तेजाब जैसा ज्वलनशील पदा. र्थ पिला दिया। जिससे धर्मेंद्र की हालत बिगड़ गई।जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे सैदनगली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया और मामले की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजन धर्मेंद्र को इलाज के लिए नोएडा ले गए। लेकिन, तबीयत में सुधार न होने पर उसे मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि धर्मेंद्र की आंत जल गई हैं। इसलिए उसका इलाज नहीं हो सकता। इसके बाद परिजन धर्मेंद्र को घर ले आए थे। तभी से परिजन आरोपी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। शनिवार को पीड़ित परिवार ने एसपी ऑफिस पहुंचकर धरना दिया है। पीड़ित परिवार ने कार्रवाई होने तक आंदोलन की चेता. वनी दी है। वहीं, सीओ सिटी अरुण कुमार और देहात थानाध्यक्ष राजेश तिवारी मौके पर पहुंच गए और धरने पर बैठे परिजनों को समझाकर शांत किया। उधर, पुलिस शुरू से आरोपों को नक. ारती रही है।

गाड़ियां चोरी करने के लिए दुबई से मंगाई थी मशीन, लखनऊ में पकड़े गए गैंग से हुआ बड़ा खुलासा

लखनऊ उत्तर प्रदेश के लखनऊ में वाहन चोर गैंग का खुलासा हुआ है। गैंग ने वाहनों की चोरी के लिए दुबई से मशीन मंगाई थी। पुलिस ने खुलासा किया है कि दुबई से मंगाई गई री–प्रोग्रा. मिंग मशीन, जैमर, इलेक्ट्रॉनिक चाबी और अन्य उपकरणों की मदद से हाईटेक चार पहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के सरगना समेत पांच लोगों को गोमतीनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से पुलिस ने 4 चोरी के चार पहिया वाहन बरामद किए हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पता कर रही है।गोमतीनगर इलाके में 6 अक्टूबर को धर्मवीर सिंह की अर्टिगा चोरी हो गई थी। इसके अलावा इलाके से ही उसी दिन आशा सिंह की अर्टिगा कार की नंबर प्लेट चोरी हुई थी। पीड़ितों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही थी। डीसीपी ईस्ट शशांक सिंह ने बताया कि शनिवार को पुलिस टीम को पता चला कि चार पहिया वाहन चोरी करने वाला गिरोह विपुल खंड इलाके में सहारा पुल के नीचे मौजूद है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर वहां मौजूद पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।डीसीपी ईस्ट के मुताबिक पकड़े गए आरोपितों के नाम कानपुर नगर निवासी आदित्य सिंह, छपरा निवासी राजू यादव, बिहार निवासी अमित कुमार सिंह, कानपुर नगर निवासी विपलव दिवाकर और प्रयागराज निवासी विपिन केसरवानी हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पता कर रही है। डीसीपी ने बताया कि गिरोह का सरगना आदित्य सिंह है।पुलिस ने आरो. पितों के पास से गोमतीनगर से चोरी अर्टिगा, विभूतिखंड इलाके से की गई क्रेटा और गोरखपुर से चोरी की कई वेन्यू कार बरामद की है। इसके अलावा आरोपितों के पास से पुलिस ने घटना में प्रयोग की जाने वाली ग्रैंड विटारा कार भी बरामद की है।एडीसीपी ईस्ट पंकज कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि उन लोगों ने दुबई से चार पहिया हाईटेक वाहनों की री–प्रोग्रामिंग मशीन, जैमर इलेक्ट्रॉनिक चाबी व अन्य उपकरण ऑनलाइन 5 लाख रुपये में मंगवाए थे। इसके बाद गिरोह के सदस्य देश के विभिन्न राज्यों में घर के बाहर खड़े चार पहिया वाहनों की रेकी करते थे।इसके बाद उनकी री–प्रोग्रामिंग कर नई चाबी बनाकर चार पहिया वाहन को अनलॉक करते थे। इस दौरान जैमर का प्रयोग भी करते थे, जिससे गाड़ी अनलॉक करते समय उसकी सेफ्टी डिवाइस ऑन न हो जाए और गाड़ी से अलर्ट का अलार्म न बजने लगे।एसीपी के मुताबिक आरोपित गाड़ियों की नंबर प्लेट भी चोरी करते थे। इसके बाद जिस मॉडल की गाड़ी की नंबर प्लेट चोरी की जाती थी, उसे चोरी की उसी तरह की गाड़ी में लगाया जाता था। इससे चोरी की गाड़ी का अलर्ट जारी होने पर चेकिंग शुरू हो जाए तो आरोपित पुलिस को गच्चा दे सकें। इंस्पेक्टर गोमतीनगर राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपित चोरी की गई गाड़ियां दिल्ली, बिहार और नेपाल में बेंच देते थेसरगना के खिलाफ दर्ज हैं 19 केसगिरोह के सरगना आदित्य के खिलाफ विभूतिखंड, आशियाना, गोमत. ीनगर, प्रयागराज, आगरा और गोरखपुर में 19 केस दर्ज हैं। इसके अलावा राजू के खिलाफ गोमतीनगर, विभूतिखंड और गोरखपुर में 6 के, अमित के खिलाफ गा. मतीनगर, विभूतिखंड, गोरखापुर में 6 केस, विपलव के खिलाफ गोमतीनगर, विभूतिखंड, गोरखपुर में 6 केस और विपिन के खिलाफ गोमतीनगर विभूतिखंड और गोरखपुर में 6 केस दर्ज हैं।ये सामान हुए बरामद आरोपितों के पास से 14 सेल, इलेक्ट्रॉनिक पैड, चार्जर, प्रोग्रामर रिमोट मशीन, मैगनेट, टूल बॉक्स, बैट्री जम्पर केबल, नए स्टेयरिंग लॉक, नंबर प्लेट रिपिट पंचिंग मशीन, 35 रिमोट चाबी ऑटोमेटिक, 7 चाबी के सेंसर, 5 मेनुअल चाबी, 25 चाबी की चिप और 4 एचएसआरपी नंबर प्लेट बरामद हुई हैं।

महाराष्ट्र चुनाव में बुरी तरह हारने के बाद उद्धव ठाकरे और शरद पवार के बीच क्यों शुरू हुई जंग?

विधानसभा चुनाव में अपनी अलग हुई पार्टियों की भारी जीत के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के लिए यह अस्तित्व का सवाल बन गया है. चुनाव के परिणामों ने विपक्षी दलों को गंभीर चुनौती दी है, क्योंकि अब उन्हें अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे.विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चुनौती अब राज्य विधानसभा में अपने नेताओं को अंतिम रूप देना है. उद्धव ठाकरे और शरद पवार को ऐसे ने. ताओं का चुनाव करना होगा, जो पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता रखते हों. यह इसलिए जरूरी है क्योंकि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए विधायकों को लुभाने की कोशिश कर सकता है.उद्धव ठाकरे और शरद पवार के बीच क्यों शुरू हुई जंग?विधानसभा में विपक्ष अब पहले से कहीं ज्यादा कमजोर हो गया है. इस स्थिति में यह सवाल उठने लगा है कि क्या किसी पार्टी को विपक्ष के नेता का पद मिलेगा, जिसे कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त हो. हालांकि, 288 सदस्यीय विधानसभा में किसी पार्टी को विपक्ष के नेता का पद मिलना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, क्योंकि इसके लिए कम से कम 10: सदस्यों का समर्थन होना जरूरी है लेकिन फिर भी, विपक्षी दल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की कुल ताकत के आधार पर इस पद का दावा कर सकते हैं.महाराष्ट्र चुनाव में बुरी तरह हार गए ये दिग्गजइतिहास में, 1980 के दशक में जनता दल और वामपंथी दलों जैसे सीपीआई, सीपीआई (एम), पीडब्ल्यूडी और अन्य ने मिलकर प्रगतिशील लोकतांत्रिक मोर्चा बनाया था. उस समय भी विपक्षी दलों को सत्ता के मुकाबले अपनी ताकत और एकजुटता दिखानी पड़ी थी. अब फिर से वही स्थिति बन रही है, और विपक्षी दलों को एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करने की जरूरत है.अपनी–अपनी पार्टियों को कैसे खड़ा करेंगे ठाकरे और पवार?अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि ठाकरे और पवार अपनी–अपनी पार्टियों को कैसे खड़ा करते हैं, क्योंकि यह एक बहुत ही कठिन काम है. 64 वर्षीय उद्धव ठाकरे ने एंजियोग्राफी के बाद भी चुनाव अभियान का नेतृत्व किया, जबकि 83 वर्षीय शरद पवार ने अपनी मजबूत इच्छाशक्ति के साथ पार्टी को संभाला. पार्टी को फिर से खड़ा करना आसान नहीं होगा, क्योंकि दोनों नेताओं की पार्टियां 20 और 14 सीटों के साथ नि. राशाजनक प्रदर्शन करने के बाद पूरी तरह से कमजोर हो गई हैं. शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 58 सीटें और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 41 सीटें जीती हैं, जो एक बड़ी चुनौती पेश करती हैं.राजनीतिक विशेषज्ञ क्या कहते हैं?राजनीतिक विशेषज्ञ की माने तो उद्धव ठाकरे और शरद पवार के लिए यह समय अपनी पार्टी को फिर से मजबूत करने का है, और उन्हें अपनी ताकत को पुनः एकजुट करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी. दोनों नेताओं को ऐसे कदम उठाने होंगे जिससे उनके दल फिर से जनता के बीच विश्वास जगा सकें और विपक्ष में प्रभावी भूमिका निभा सकें.

आम जनता के लिए खुला रहेगा देहरादून का 186 साल पुराना राष्ट्रपति आशियाना

देहरादून के राजपुर रोड पर स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रपति आशियाना आगामी अप्रैल माह से आम लोगों के लिए खुल जाएगा. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निर्देश पर शनिवार को राष्ट्रपति सचिवालय के अधिकारियों ने देहरादून पहुंच, राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक कर, आशियाना में जनता के लिए आवश्यक सुविधाएं जुटाने के निर्देश दिए हैं.राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निर्देश पर अब देहरादून स्थित 186 साल पुराने, राष्ट्रपति आशियाना को आम लोगों के लिए खोला जा रहा है. 21 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस परिसर का इस्तेमाल अभी राष्ट्रपति बॉडीगार्ड (पीबीजी) द्वारा किया जा रहा है. परिसर को आम जन के लिए खोलने से पहले आवश्यक तैयारी के लिए शनिवार को आशियाना परिसर में राष्ट्रपति सचिवालय में अपर सचिव डॉ. राकेश गुप्ता ने उच्च स्तरीय बैठक मे उत्तराखंड सरकार के उच्चाधिकारियों के साथ विचार विमर्श

किया. तय किया गया कि आम लोग परिसर के मुख्य भवन तक प्रवेश कर सकेंगे.कैफेटेरिया का भी आनंद उठा सकेंगे लोगइस दौरान लोगों को राष्ट्रपति आशियाना के साथ ही भारतीय सेना की 251 साल पुरानी रेजीमेंट पीबीजी के इतिहास और इसके 186 साल पुराने अस्तबल से रूबरू होने का भी मौका मिलेगा.सैर के मध्य लोग परिसर के खूबसूरत बाग, कैफेटेरिया का भी आनंद उठा सकेंगे. बैठक में परिसर को आम जन के लिए खोलने से पहले बिजली, पानी, पार्किंग की सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए. जिससे लोगों को किसी भी प्रकार की परेशान न हो.बैठक में पीबीजी के सीओ कर्नल अमित बेरवाल, ओएसडी स्वाति शाही के साथ ही उत्तराखंड शासन के सचिव शैलेश बगोली, सचिन कुर्वे, पंकज कुमार पांडे, डीएम देहरादून स्वीन बंसल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित हुए. इससे पहले राष्ट्रपति के निर्देश पर हैदराबाद स्थित राष्ट्रपति नीलायम और मशहोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास को भी आम लोगों के लिए खोला जा चुका है.

प्रेम मंदिर के संस्थापक कृपालु महाराज की बेटी की सड़क हादसे में मौत, दो बेटियों की हालत गंभीर

यमुना एक्सप्रेसवे पर दनकौर कोतवाली क्षेत्र में आज रविवार (24 नवंबर) की सुबह हुए सड़क हादसे में प्रेम मंदिर के संस्थापक जगतगुरु कृपालु महाराज की बेटी की मौत हुई है और दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हैं. यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए इस दर्दनाक हादसे में जगतगुरु कृपालु महाराज जी की बड़ी बेटी डॉक्टर विशाखा त्रिपाठी की मौत हो गई. वहीं दो बेटियों डॉक्टर कृष्ण त्रिपाठी और डॉक्टर श्याम त्रिपाठी की हालत गंभीर है.इस हादसे में इनके अलावा अन्य लोग भी घायल हुए हैं, तीनो बहन रविवार को सुबह सिंगापुर जाने के लिए फ्लाइट पकड़ने एयरपोर्ट जा रही थीं तभी यह हादसा हुआ. तेज गति से आ रहे है कैंटर और दो कार में भीषण टक्कर हो

गई. इस टक्कर से कारों के परखच्चे उड़ गए और कार सवार छह महिलाओं समेत आठ लोग घायल हो गए.थाना पुलिस के मुताबिक दनकौर इलाके से गुजर रही यमुना एक्सप्रेसवे पर 8 किलोमीटर के माइल स्टोन के पास आगरा से नोएडा की तरफ जाने वाले रास्ते पर अशोक लीलैंड कैंटर ने इनोवा हाय क्रॉस और टोयोटा केमरी को पीछे से टक्कर मार दी.

5 घायल की हालत गंभीर इस हादसे में कार में सवार दीपक, हंसा पटेल, कश्म. ीरा पटेल, जानूका खडका, संजय मलिक, विशाखा त्रिपाठी, श्यामा त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जिनमें पांच की स्थिति गंभीर है. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटा दिया है. उसके बाद से एक्सप्रेसवे पर यातायात सामान्य है.

कोल्ड स्टोर में सड़ने वाले आलू से बनेगी खाद, शीतगृह संचालकों को दो माह में करना होगा

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) अलीगढ़ जिले के सभी कोल्ड स्टोरेज में सड़े गले आलू का अब फेंके या गड्ढों में दबाए नहीं जाएंगे। बल्कि वैज्ञानिक तरीके से बनने वाले इस प्लांट में सड़े–गले आलू से कंपोस्ट खाद तैयार करना होगा। जिसका रिकॉर्ड रखकर संचालक किसानों में बेंच सकेंगे। इसके लिए संच. ालक विषय विशेषज्ञों की सलाह लें कर कार्य करेंगे। यह आदेश उद्यान विभाग के प्रमुख सचिव बीएल मीणा ने सूबे के सभी जिलाधिकारी व जिला उद्यान अधिकारी को आदेश जारी किया है।जिले में लगभग 118 निजी शीतगृह हैं। इनमें 114 में आलू और फल का स्टोरेज होता है। इनमें हर साल करीब साढ़े 12 लाख मीट्रिक टन आलू स्टोर किया जाता है। इसमें करीब एक से दो फीसदी सब्जियां कई बार अलग–अलग कारणों से सड़

गल या सड़ जाते हैं। इन्हें कुछ शीतगृह संचालक सड़कों के किनारे फेंकवा देते हैं तो कुछ गड्ढा खोदकर मिट्टी में दबा देते हैं। मगर अब सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। कारण यह मिट्टी में उपलब्ध धातुओं एवं रसायनों को प्रभावित कर रहे हैं। इससे मिट्टी और भूजल दूषित हो रहा है।राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देश के बाद सरकार इस मुद्दे पर सख्त हो गई है। उद्यान विभाग ने ने शीतगृहों में प्लांट बना कर विशेषज्ञ की निगरानी में खाद तैयार किया जाए। जिसे किसानों को उपलब्ध कराया जाए। इससे शीतगृहों को अलग से आय भी होगी।शीतगृहों में सड़ने वाले आलू या फल को अब न तो बाहर फेंका जाएगा और न ही उसे गड्ढों में दबाया जाएगा। बल्कि नए आदेशों के तहत संचालक दो माह के भीतर प्लांट में वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था सु. निश्चित करें। जिससे इन सड़े गले आलू का खाद बना कर किसानों को उपलब्ध कराया जा सके। – शिवानी तोमर, डीएचओजिले के शीतगृहों में ज्यादा तर आलू रखे जाते हैं। बहुत ही विषय परिस्थितियों में आलू सड़ते हैं। उसके पीछे का सबसे मुख्य कारण चौंबर खराब होना होता है। कुछ संचालक सड़े आलू का कंपोस्ट बनाते है। सरकार की ओर से दिए गए सभी निर्देशों का पालन किया जाएगा। – गिर्राज गोदानी, जिलाध्यक्ष, अलीगढ़ कोल्ड स्टोरेज आर्नस एसोसिएशन

बसपा का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन

अलीगढ़ के खैर विधानसभा उपचुनाव में बसपा को जोर का झटका लगा है। यह 22 साल में बसपा का सबसे खराब प्रदर्शन रहा। उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई।2022 में खैर विधानसभा चुनाव में बसपा दूसरे नंबर पर थी। उपचुनाव में हार की समीक्षा शुरू हो गई है। इसकी जानकारी शीर्ष नेतृत्व को भी दे दी गई है। चुनाव में बसपा प्रत्याशी को 13,365 वोट मिले हैं, जबकि आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रत्याशी को 8,269 वोट मिले हैं।. बसपा के स्थानीय नेताओं ने हार के तीन कारण माने हैं। खैर विधानसभा में बसपा केवल एक बार ही चुनाव जीती है। वर्ष 2002 में प्रमोद गौड़ ने बसपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। 2007, 2012, 2017 और 2022 में पार्टी दूसरे स्थान पर रही है।पार्टी प्रत्याशी की हार हुई है। अब तक पार्टी का सबसे खराब प्रदर्शन रहा। हार की समीक्षा की जाएगी। कहां कमजोर रह गए, कहां कमी रह गई, इस पर मंथन होगा।– रतनदीप सिंह, अलीगढ़ मंडल प्रभारी, बसपाहार के तीन कारण–भीम आर्मी ने की वोट बैंक में सेंधमारी–सपा प्रत्याशी का जाटव समाज से होना–बसपा प्रत्याशी का राजनीतिक पृष्ठभूमि न हा. ंनाअब तक यह रहा बसपा का प्रदर्शन वर्ष, प्रत्याशी, मत प्रतिशत1991 झारिया 6.931993 चंद्रप्रकाश 19.672002 प्रमोद गौड़ 36.45 2007 प्रमोद गौड़ 37.5 2012 राजरानी 28.932017 राकेश कुमार मौर्या 23.20 2022 चारू कैन 25.98बसपा समेत तीन प्रत्याशियों की जमानत जब्त खैर विधानसभा उपचुनाव बसपा प्रत्याशी डॉ. पहल सिंह समेत तीनों प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। उपचुनाव में 760 मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया है। इसमें 753 ईवीएम से व सात पोस्टल बैलेट से थे। बसपा के डॉ. पहल सिंह, आजाद समाज पार्टी कांशीराम के नितिन चौटेल, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के भूपेंद्र कुमार धनगर समेत तीनों प्रत्याशी अपनी जमानत राशि को गंवा बैठे।चुनाव आयोग के अनुसार जमानत राशि बचाने के लिए कुल डाले गए वोटों का छठा हिस्सा हासिल करना होता है। चुनाव में यदि प्रत्याशी को 16.67 प्रतिशत मत नहीं मिलते हैं तो उसकी ओर से जमा कराई गई जमानत धनराशि जब्त कर ली जाती है। जिस उम्मीदवार को इतने वोट मिल जाते हैं तो उसकी जमानत राशि लौटा दी जाती है।

सुरेंद्र ने जनता, मोदी-योगी को दिया जीत का श्रेय, सपा की चारू ने कहा-2027 में फिर से लड़ूंगी चुनाव

खैर के नवनिर्वाचित विधायक सुरेंद्र दिलेर ने अपनी जीत का श्रेय खैर विधानसभा क्षेत्र की जनता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जिले के सभी जनप्रतिनिधियों को दिया है। वहीं, सपा प्रत्याशी डॉ. चारू कैन में अपनी हार को सहजता से स्व. ीकार कर कमियों को सुधारने एवं क्षेत्र की जनता के बीच बने रहने की बात कही।धनीपुर मंडी में 23 नवंबर को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच खैर विधानसभा सीट से उपचुनाव की मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू हुई। सबसे पहले डाक से मिले बैलेट मतपत्रों की गिनती हुई। इसके बाद बूथवार ईवीएम मशीन की मतगणना शुरू हुई। भाजपा प्रत्याशी

सुरेंद्र दिलेर पहले राउंड से ही अपनी निकटतम सपा प्रत्याशी डॉ. चारु कैन पर बढ़त बनाने के साथ ही हर राउंड में आगे बने रहे।उधर, सपा की पराजित प्रत्याशी डॉ. चारू कैन ने कहा कि वह चुनाव हारी हैं। इससे उनका मनोबल नहीं टूटा है। कहीं ना कहीं वह जनता को समझने में कमी कर गई। वह अपनी कमियों में सुधार करने के साथ पुनः क्षेत्र की जनता के बीच रहकर अपनी कमियों को सुधरेंगी और फिर से आगामी 2027 में विधानसभा का चुनाव लड़ेंगी।एसडीएम ने सौंपा जीत का प्रमाण पत्र, भाजपाइयों ने मनाया जश्न दोपहर 02रू15 बजे 31वें राउंड में सुरेंद्र दिलेर ने चारू कैन को 38,393 मतों से हराने के साथ भाजपा की हैट्रिक लगाते हुए जीत का परचम लहराया। जीत से भाजपाइयों में खुशी की लहर दौड़ गई। धनीपुर मंडी के बाहर कार्यकर्ता ढोल–नगाड़ों पर थिरकने के साथ ही खुशियां मनाते रहे। जीत के बाद सुरेंद्र दिलेर ने जिले के प्रभारी व प्रदेश के गन्ना एवं चीनी मिलें मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, बरौली विधायक ठा. जयवीर सिंह आदि की मौजूदगी में रिटर्निंग ऑफिसर व एसडीएम खैर महिमा राजपूत ने प्रमाण पत्र भी सौंपा।

दहशत में स्कूल जाना किया बंद आठवीं की छात्रा से तमंचे के बल पर दुष्कर्म

अलीगढ़ हाथरस कोतवाली सदर क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट में कक्षा आठ की छात्रा को आतंकित कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। आरोप है कि उसका वीडियो बनाया और फोटो भी खींच लिए। इस मामले में विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष पर पीड़िता के परिवार को धमकी देने का आरोप लग रहा है। घटना के बाद से छात्रा ने स्कूल जाना बंद कर दिया है। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर दुष्कर्म के आरोपी नीरज को गिरफ्तार कर लिया है। थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में छात्रा के बाबा ने बताया कि उनकी पौत्री शहर के एक इंटर कॉलेज में आठवीं कक्षा की छात्रा है और उसकी मां शहर से बाहर रहती है। आरोपी युवक उनके मोहल्ले में किराये के मकान में रहता है। 14 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे नीरज ने फोन कर उनकी पौत्री को आगरा रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में बुलाया और उसे एक कमरे में बंद कर लिया। तमंचा दिखाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। 19 नवंबर को छात्रा की मां हाथरस आई तो उसने उन्हें घटना की जानकारी दी पीड़िता के बाबा का आरोप है कि इस संबंध में युवक के परिजनों से वार्ता की तो उन्हा. ंने धमकी दी और युवक ने अपने साथी

सचिन अग्रवाल को बुला लिया। दोनों ने धमकी दी कि यदि किसी को घटना के बारे में बताया तो तुम्हारा वो हाल करेंगे, तुम सोच भी नहीं पाओगे। फोटो और वीडियो हमारे पास है। सचिन विहिप की नगर इकाई का अध्यक्ष है और आरोपी उनकी साड़ियों की दुकान पर काम करता था।छह दिन तक दहशत में रही दुष्कर्म पीड़िता दुष्कर्म के बाद पीड़िता छह दिनों तक सहमी रही। पीड़िता की मां बाहर रहती हैं। जब वह घर पहुंचीं तो बेटी की डरी–सहमी हालत देखी। उन्होंने बेटी से इसका कारण पूछा तो वह मां से चिपक गई और उन्हें रोते हुए पूरी व्यथा बताई।मां ने जब बेटी की व्यथा सुनी तो उनके होश फाख्ता हो गए। मां ने पूरा वाकया अपने ससुर और पीड़िता के बाबा को बताया। पीड़िता पर दहशत इस कदर हावी थी कि वह इन छह दिनों में स्कूल तक नहीं गई और न हीं किसी को कुछ बताया। जब वह विद्यालय नहीं गई तो बाबा ने उससे कई बार इसका कारण पूछा, लेकिन वह उन्हें भी अपनी पीड़ा बता नहीं सकी। मां के आने के बाद बेटी का हौसला बढ़ा और उसने पूरी घटना की जानकारी उनको दी। इसके बाद मां अपनी बेटी को लेकर कोतवाली पहुंचीं और पुलिस से शिकायत की। इस घटना को लेकर इलाके में भी चर्चाएं रहीं।पीड़िता के बाबा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर विवचेना की जा रही है। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।–योगेंद्र कृष्ण नारायण ,सीओ सदर। पीड़िता के परिजन मेरी दुकान पर आए थे। मैंने उन्हें बताया था कि आरोपी युवक को दिवाली पर ही काम से निकाल दिया है। मेरा उससे कोई मतलब नहीं है। इसके बावजूद भी मेरा नाम रिपोर्ट में शामिल किया है।–सचिन अग्रवाल, नगर अध्यक्ष, विहिप।

145 बंदरों की मौतरू घटना छिपाने पर दो प्रबंधकों सहित 13 को नोटिस जारी

हाथरस में भारतीय खाद्य निगम के गा. ंदाम में 145 बंदरों की मौत की घटना छिपाने पर गोदाम प्रबंधक और गुणवत्ता प्रबंधक सहित 13 कर्मचारियों नोटिस जारी किए गए हैं। इनसे पूछा गया है कि घटना की जानकारी विभाग के उच्चाधिकारियों को क्यों नहीं दी गई। इस मामले में अधिकारियों और कर्मच. ारियों पर गाज गिर सकती है। कलवारी रोड स्थित एफसीआई गोदाम में 11 नवंबर को 145 बंदरों की मौत हो गी थी। अधिकारियों और कर्मचारियों ने घटना को छिपा लिया था और मृत बंदरों के शवों को गड्ढा खोदकर दबा दिया था। तीन दिन पहले विहिप और बजरंग दल कार्यकर्ताओं के हंगामे के बाद घटना का खुलासा हुआ था। बजरंग दल के विभाग सह संयोजक हर्षित गौड़ की तहरीर पर मामला दर्ज किया गया था। इस संबंध में मंडलीय खाद्य नियंत्रक एवं सीडीओ प्रखर कुमार सिंह ने चार सदस्यों की एक जांच समिति गठित की थी। 22 नवंबर को गड्ढा खोदवाकर पांच बंदरों का पोस्टमार्टम भी कराया गया। एक दो सदस्यीय विभागीय जांच समिति भी बनाई गई थी, जिसने प्रारंभिक जांच के बाद अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। भारतीय खाद्य निगम की मंडल प्रबंधक शिवानी ने प्रबंधक नीरज शर्मा, गुणवत्ता प्रबंधक बाबू लाल मीणा सहित 13 कर्मियों को नोटिस जारी किए है। इनसे घटना को छिपाने और घटना होने के बाद जानकारी नहीं देने के संबंध में जवाब मांगा है। शिवानी ने बताया कि इनके जवाब मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अलीगढ़ लॉ छात्रा को घर में घुसकर पीटा, कपड़े फाड़े अलीगढ़ में छात्रा से की थी छेड़छाड़, शिकायत की तो पूरे परिवार ने की मारपीट

अलीगढ़ के बन्नादेवी थाना क्षेत्र में एक लॉ की छात्रा के साथ घर में घुसकर मारपीट करने और उसके कपड़े फाड़ने का मामला सामने आया है। जिसके बाद पीड़िता ने अपनी मां के साथ थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कराया

आंख की पुतलियां ही बता देंगी कि आपको शुगर है या नहीं, एएमयू के डाक्टरों ने तैयार की डिवाइस

अब आंखों की पुतलियों और झिल्लियों (आइरिश और कंजंक्टिवल इमेज) से डायबिटीज की जानकारी मिल सकेगी। एएमयू के चिकित्सकों ने एक ऐसी डिवाइस तैयार की है जो बगैर खून निकाले शुगर का स्तर भी बताएगी। इस डिवाइस के जरिए 1000 मरीजों पर शोध किया गया। पहले आंख की पुतली का फोटो लेकर इस डिवाइस के जरिए शुगर का स्तर चेक किया गया और फिर ब्लड सैंपल लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण कराया गया। दोनों ही रिपोर्ट एक समान आईं। एएमयू के शिक्षक डॉ. हामिद अशरफ और डॉ.नदीम अख्तर द्वारा की गई इस खोज को अब पेटेंट कराने की तैयारी हो रही है। शोध टीम का कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लर्निंग मशीन के जरिये एक हजार लोगों की जांच की गई थी।एएमयू के राजीव गांधी मधुमेह और एंडोक्राइनोलॉजी केंद्र के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हामिद अशरफ ने बताया कि यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएटप्रोफेसर डॉ. नदीम अख्तर के साथ मिलकर एक ऐसी डिवाइस बनाई गई है, जिससे डायबिटीज की आसानी से जांच की जा सकती है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की आंखों की पुतलियों और झिल्लियों की कैमरे से तस्वीर लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लर्निंग मशीन के जरिये यह जांच की जाती है। इसमें रक्त नहीं निकालना पड़ता है। इस कैमरे की कीमत करीब चार हजार रुपये है, जिससे डिवाइस बनाई गई है।लैब से ज्यादा असरदार एआईएलएम की जांच रिपोर्टडॉ. हामिद अशरफ ने दावा किया है कि पैथोलॉजी लैब की जांच रिपोर्ट से ज्यादा असरदार उनकी डिवाइस की रिपोर्ट है। लैब में शुगर की जांच की शुद्धता 70–80 फीसदी है, जबकि डिवाइस की जांच 90–95 फीसदी शुद्ध है। खास बात है कि इस डिवाइस में एक मिनट में रिपोर्ट आ जाती है, जबकि लैब में 10–15 मिनट में जांच रिपोर्ट आती है। डिवाइस से समय और पैसे की बचत होगी।छह महीने में एक हजार लोगों पर शोधडॉ. नदीम अख्तर ने बताया कि छह महीने में एक हजार लोगों पर शोध किया गया है। एएमयू में राजीव गांधी मधुमेह और एंडोक्राइनोलॉजी केंद्र में आने वाले 500 लोग जिन्हें शुगर नहीं था और 500 लोग, जिन्हें शुगर था। उनकी आंखों की पुतलियों और झिल्लियों की तस्वीर लेकर उसे एआईएलम से जांच की गई, तो पता चला कि जिन्हें शुगर नहीं था, उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई और जिन्हें शुगर था, उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई।नवाचार को कराएंगे पेटेंटडॉ. हामिद अशरफ ने कहा कि अपने नवाचार को पेटेंट भी कराएंगे। अगर यह बाजार में आ गया तो शुगर की जांच आसानी से हो जाएगी। हालांकि, शुगर के नाम पर मशीनें पहले से बाजार में हैं, लेकिन उनकी जांच रिपोर्ट की शुद्धता पर हमेशा संदेह रहता है। उन्होंने कहा कि इस नवाचार के लिए उन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सम्मानित भी किया है।

तलाक में गरिमा... गुजारा भत्ता पर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

तलाक से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसकी प्रक्रिया के दौरान पत्नी को 1.75 लाख रुपये महीना गुजारा भत्ता दिया जाए। बेशक यह रकम पहली नजर में खासी बड़ी लगती है, लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि फैसला जिन आधारों पर दिया गया है, वे व्यक्ति की गरिमा को नए सिरे से रेखांकित करते हैं।फैमिली कोर्ट का फैसला बहाल मसला एक ऐसे कपल का था जिसकी 2008 में शादी हुई और 2019 में पति की ओर से तलाक की अर्जी दी गई। पति को पहली शादी से एक बेटा था, मगर इस शादी में कोई संतान नहीं हुई। दिलचस्प है कि फैमिली कोर्ट ने पति की आमदनी के तमाम स्रा. `तों का ब्योरा देखने के बाद अंतरिम गुजारा भत्ता 1.75 लाख रुपये मासिक ही तय किया था जिसे हाईकोर्ट ने घटाकर 80,000 रुपये मासिक कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए फैमिली कोर्ट के फैसले को बहाल किया। मामले की सुनवाई के दौरान कई तरह के सवाल उठे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सबसे ज्यादा अहमियत इस बात को दी कि शादी के दौरान महिला जिस तरह की ला. इफस्टाइल की आदी थी, वह बरकरार रहनी चाहिए। यह बात भी अदालत की जानकारी में आई कि शादी से पहले महिला जॉब कर रही थी जो उसे पति की जिद के कारण छोड़नी पड़ी। अपने देश में अक्सर शादी के बाद महिलाओं को नौकरी छोड़नी पड़ती है जिससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता समाप्त हो जाती है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि

सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के मामले में पत्नी को 1.75 लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ता देने का फैसला सुनाया

गुजारा भत्ता तय करते समय जिंदा रहने की न्यूनतम आवश्यकताओं को ही नहीं, सोशल स्टेटस को भी प्रमुख आधार बनाया जाए।न्याय की दिशा वैसे, यह फैसला अपने आप में अनोखा या अपवाद नहीं है। हाल के वर्षों में आए कई अहम फैसलों की यही दिशा रही है। फिर भी इस फैसले की अहमियत इस मायने में है कि इसने न्यायपालिका के इस प्रगतिशील रुख पर इतना जोर दिया है कि यह एक झटके में समाज के संज्ञान

में आता है।सोच बदलने की जरूरतध्यान रहे, भारत आज भी उन देशों में शामिल है, जहां तलाक की दर न्यूनतम स्तर पर है। ऐसा तब है जब नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 2019–21 के मुताबिक देश में 18 से 49 वर्ष के उम्र की करीब 30 फीसदी शादीशुदा महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। जाहिर है, मजबूरी में चलती शादियों को तलाक से बेहतर मानने की सोच बदलने की जरूरत है और सुप्रीम कोर्ट के ऐसे फैसले इसमें मदद कर सकते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक देश की जेलों में बंद कुल कैदियों में 75 फीसदी विचाराधीन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि संविधान दिवस के दिन उन विचाराधीन कैदियों को रिहा किया जाएगा जिन्होंने अपराध की अधिकतम तय सजा का एक तिहाई हिस्सा जेल में काट लिया है। यह देश की भीड़ भरी जेलों में जगह बनाने का एक नेक प्रयास है। परंतु काफी कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि जेल अधिकारी एक सप्ताह से भी कम समय में सूची संकलित करने और उसे तैयार करने पर निर्भर करेगा। यह बहुत भारी काम है।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक देश की जेलों में बंद कुल कैदियों में 75 फीसदी विच. ाराधीन हैं। 2017 से अब तक इनमें 41 फीसदी का इजाफा हुआ है। विगत 19 वर्षों से जेलों में भीड़ कम करने के प्रयासों के बावजूद ऐसे हालात बने हुए हैं।उदाहरण के लिए संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार द्वारा 2005 में पेश दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436 ए में कहा गया कि ऐसे विचाराधीन कैदी (उन कैदियों के अलावा जिन्होंने मृत्युदंड पाने लायक अपराध किए हों) जो अपराध के लिए तय अधिकतम सजा का आधा समय जेल में बिता चुके हों, उन्हें अदालतें जमानत के साथ या उसके बिना पर्सनल बॉन्ड पर रिहा कर सकती हैं।2009 तक इस दिशा में अधिक प्रगति नहीं हुई। देश के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन ने भी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटों को यह निर्देश दिया कि वे मामूली अपराधों के लिए बंद विच. ाराधीन कैदियों की तादाद का पता लगाएं और उनमें से जो उनके अपराधों के लिए तय सजा की आधी से अधिक अवधि जेल में बिता चुके हैं उन्हें पर्सनल बॉन्ड पर रिहा कर दिया जाए। इस मामले में भी बहुत धीमी प्रगति हुई। मुख्यतौर पर ऐसा इसलिए हुआ कि अधिकांश विचाराधीन कैदी बॉन्ड या जमानत की व्यवस्था नहीं कर सके। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने गत वर्ष एक योजना पेश की जिसके तहत उन कैदियों को वित्तीय सहायता दी जानी थी जो जमानत नहीं करवा सकते थे। योजना के तहत विचाराधीन कैदियों को 40,000 रुपये और दोषसिद्ध लोगों को 25,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जा सकती थी। इसके लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता वाली अधिकार प्राप्त समिति की मंजूरी आवश्यक थी। परंतु नवंबर में इंडियास्पेंड में प्रकाशित एक अध्ययन जिसमें छह राज्यों से सूचना के अधिकार के तहत हासिल प्रतिक्रियाएं शामिल थीं, में पाया गया कि केवल महाराष्ट्र में 10 विचाराधीन और एक सजायाफ्ता कैदी को इस योजना के तहत रिहा किया गया।कुल मिलाकर कानूनों और अदालतों का रुख प्रगतिशील रहा है। दंड प्रक्रिया संहिता का स्थान लेने वाली भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 479 में पिछले कानून के प्रावधानों को दोहराया गया और पहली बार अपराध करने वालों को अपनी सजा का एक तिहाई समय जेल में गुजार चुके होने के बाद जमानत पर रिहा करने की इजाजत दी गई। यह धारा जेल अधीक्षकों को भी यह अधिकार देती है कि अगर किसी विचाराधीन कैदी की सजा की आधी या एक तिहाई अवधि बीत चुकी है तो वह न्यायालय को आवेदन कर सकते हैं।इस वर्ष अगस्त में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि बीएनएसएस की धारा 479 को उन मामलों में अतीत की तिथि से लागू किया गया है जहां मामले पहली बार अपराध करने वालों से जुड़े हैं। यह कानून 1 जुलाई, 2024 को प्रभावी हुआ। न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को भी आदेश दिया है कि वे दो महीनों के भीतर हलफनामे देकर उन विचाराधीन कैदियों का ब्योरा दें जो धारा 479 के तहत पात्रता रखते हैं। अक्टूबर तक 36 में से केवल 19 राज्यों ने अपनी रिपोर्ट पेश की है।समस्या का एक हिस्सा निर्णय लेने की प्रक्रिया की विवेकाधीन प्रकृति है जो पीठासीन न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट पर निर्भर करती है जो कुख्यात रूप से भीड़भाड़ भरी न्याय प्रणाली में एक निरंतर चुनौती के समान है। जेल में प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी के कारण जेलों में क्रूरता और अफरातफरी के हालात बनते हैं और पहचान की प्रक्रिया प्रभावित होती है। यदि इस प्रक्रिया को तत्काल व्यवस्थित किया जा सका तो शाह का यह कदम देश के विचाराधीन कैदियों के लिए वार: तविक राहत हो सकती है।

अडानी समूह की बढ़ी मुश्किलें! सुप्रीम कोर्ट पहुंची रिश्वत मामले में एक नई याचिका

265 मिलियन डॉलर की रिश्वत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है. गौतम अडानी पर भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत ऑफर करने के आरोप लगाने वाली यूएस कोर्ट का इंडीक्टमेंट ऑर्डर और एसईसी शिकायत अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है. इसमें भारतीय अधिकारियों की ओर से की गई जांच की मांग वाली एक नई याचिका भी शामिल है. सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई इस नई याचिका में क्लेम किया गया है कि कि इंडीक्टमेंट ऑर्डर और एसईसी शिकायत आदेश ने ष्ग्रुप की ओर से किए गए गैर कानूनी कार्यों का खुलासा किया है.ष यह याचिका एडवोकेट विशाल तिवारी ने फाइल की है. वह अडानी के खिलाफ हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद दायर की गई फाइल के बैच में लीड पेटीशनर यानी प्रमुख याचिकाकर्ता भी थे. याचिका में दावा किया गया है कि लगाए गए आरोप श्गंभीरश हैं और राष्ट्र के हित को ध्यान में रखते हुए भारतीय अधिकारियों को उनकी जांच पड़ताल की जानी चाहिए. इस नई याचिका में सेबी के आचरण पर भी सवाल उठाए गए हैं. कहा गया है कि अडानी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने जो जांच के लिए डायरे. क्शन दिए थे उसके निष्कर्षों यानी हासिल जानकारी का खुलासा नहीं किया गया है. याचिका में कहा गया है कि इससे बाजार नियामक यानी सेबी पर भरोसा कम हो गया है. हिंडनबर्ग मामले में सेबी को दिए गए थे जांच के निर्देश बता दें कि हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2023 में सेबी को स्टॉक की कीमतों में हेरफेर, सिक्योरिटी कॉनट्रेक्ट रूल के उल्लंघन और संबंधित पार्टी लेनदेन का खुलासा करने में कथित विफलता के आरोप में अडानी की जांच करने का निर्देश दिया था.नवीनतम याचिका निवेशकों के श्भरोसा खोनेश से बचने के लिए सेबी की जांच के परिणामों का खुलासा करने का मांग की गई है.याचिका में इंडीक्टमेंट ऑर्डर का हवाला दिया गया है. जिसमें गौतम अडानी, भतीजे सागर अडानी और विनीत जैन सहित अन्य लोगों द्वारा रची गई एक विस्तृत ष्ब्राइबरी स्कीमष का डिटेल दिया गया है. इंडीक्टमेंट ऑर्डर में यह दावा किया गया था कि अडानी समूह, 265 मिलियन डॉलर या 2236 करोड़ रुपये की रिश्वत की ऑफर कर रहा था.दायर याचिका में कहा गया है कि यूएस कोर्ट के ऑर्डर के मुताबिक, गौतम अडानी ने खुद सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की और रिश्वत का ऑफर दिया. याचिका में यह भी बताया गया है कि कैसे इंडीक्टमेंट ऑर्डर के अनुसार, गौतम अडानी, सागर अडानी और विनीत जैन ने अमेरिका में चल रही जांच के बारे में अपने नॉलेज के बारे में बाजार और निवेशकों को गुम. राह किया.

25 नवंबर को महाराष्ट्र को मिल सकता है नया मुख्यमंत्री, 26 को होगा शपथ ग्रहण

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में कहा कि मुख्यमंत्री पद का फैसला तीनों पार्टियों के शीर्ष नेता करेंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शनिवार को ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए महायुति गठबंधन ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को करारी शिकस्त दी। भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के गुटों से बने महायुति गठबंधन ने प्रचंड बहुमत हासिल की।भाजपा–शिवसेना–एनसीपी गठबंधन पहले से राज्य की सत्ता में है। हालांकि, मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कुर्सी को लेकर संशय बरकरार है। भाजपा ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी शिंदे के पास ही रहेगी या नहीं।भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में कहा कि मुख्यमंत्री पद का फैसला तीनों पार्टियों के शीर्ष नेता करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अंतिम निर्णय भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेंगे, जिससे यह संकेत मिलता है कि भाजपा मुख्यमंत्री पद अपने पास रखना चाहती है।288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत के लिए 145 सीटों की जरूरत होती है। अधिकांश एग्जिट पोल ने बुधवार को महायुति गठबंधन की जीत का अनुमान लगाया था, हालांकि कुछ ने महा विकास अघाड़ी को मामूली बढ़त दी थी।पांच महीने पहले लोकसभा चुनावों में महायुति को महाराष्ट्र की 48 सीटों में से सिर्फ 17 सीटें ही मिल पाई थीं। यह प्रदर्शन भाजपा के लिए केंद्र स्तर पर भी नुकसानदायक साबित हुआ था, जिससे विपक्ष को विधानसभा चुनाव में जीत की उम्मीदें बढ़ गई थीं। हालांकि, हरियाणा विधानसभा चुनाव और अब महाराष्ट्र के नतीजों से साफ हो गया है कि भाजपा जोरदार वापसी कर चुकी है।एमवीए 46 सीटों पर सिमटीमहाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत महायुति गठबंधन ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा में 230 सीटों पर कब्जा जमाया। कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन केवल 46 सीटों पर सिमटकर रह गया।निर्वाचन आयोग के अनुसार, भाजपा ने 132 सीटें जीतीं, शिवसेना ने 57 और राकांपा ने 41 सीटें हासिल कीं। वहीं, एमवीए के तहत राकांपा (शरद पवार) के उम्मीदवारों को 10, कांग्रेस को 16 और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को 20 सीटें मिलीं।महायुति की इस भारी जीत ने महाराष्ट्र में सत्ता की राजनीति का नया अध्याय लिख दिया है, जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी को बड़ा झटका लगा है।

महंगाई के बावजूद कारोबारी विश्वास बढ़ा

भारत के निजी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में नवंबर में मजबूत वृद्धि जारी रही है। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आ. उटपुट इंडेक्स बढ़कर 59.5 पर पहुंच गया जो अक्टूबर में 59.1 था। यह 3 महीने में सबसे तेज वृद्धि है, जो नए बि. जनेस मिलने और निर्यात बढ़ने से हुई है।बहरहाल इस विस्तार के साथ लागत का दबाव भी बढ़ा है और फरवरी 2013 के बाद विक्रय मूल्य में सबसे तेज वृद्धि हुई है। इसके बावजूद सर्वे में शामिल लोगों ने कारोबार में तेजी को लेकर भरोसा जताया है। फ्लैश पीएमआई (पच. `जिंग मैनेजर्स इंडेक्स) के आंकड़े अंतिम पीएमआई आंकड़ों के पहले जारी किए जाते हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों के शुरुआती संकेत मिल जाते हैं।यह सर्वे में शामिल करीब 85 से 90 प्रतिशत लोगों की प्रतिक्रिया के आधार पर तैयार किया जाता है। इससके कारोबारी धारणा और आर्थिक स्थिति की एक झलक मिल जाती है। नवंबर के अंतिम आंकड़े 4 दिसंबर को जारी होंगे।नवंबर में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में मामूली कमी आई है। विनिर्माण पीएमआई उत्पादन सूचकांक गिकर 60.2 पर आ गया है, जो अक्टूबर में 60.4 पर था। कुल मिलाकर विनिर्माण पीएमआई, जो फैक्टरी कारोबार की स्थिति दर्शाता है, मामूली गिरकर 57.3 पर है, जो अक्टूबर में 57.5 था। इसके बावजूद विनिर्माण, वृद्धि का

मुख्य चालक है, जिसे मजबूत मांग और निर्यात की बिक्री से बल मिला है।सेवा क्षेत्र में की वृद्धि में सुधार हुआ है। सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक बढ़कर नवंबर में 59.2 हो गया है, जो अक्टूबर में 58.5 था। दिसंबर 2005 में सर्वे शुरू होने के बाद से सेवा क्षेत्र के रोजगार में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है और विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियों का सृजन पीछे छूट गया है।विनिर्माण व सेवा दोनों ही क्षेत्रों में नए ऑर्डर में बढ़ोतरी हुई है। इससे तेज घरेलू मांग और एशिया, यूरोप और अमेरिका में बढ़े निर्यात से समर्थन मिला है। सेवा फर्मों की तुलना में विनिर्माण फर्मों ने अंतरराष्ट्रीय बिक्री में थोड़ी मजबूत वृद्धि दर्ज की है।एचएसबीसी में चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'मजबूत अंतिम मांग और कारोबारी स्थिति में सुधार से सेवा क्षेत्र में रोजगार को बल मिला है और यह दिसंबर 2005 में यह संकेतक लागू होने के बाद के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। बहरहाल विनिर्माताओं द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कच्चे माल की कीमत का दबाव बढ़ रहा है और साथ ही सेवा क्षेत्र में खाद्य और वेतन की लागत बढ़ी है।'

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा –संम्पादक
मोः–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक–अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा